जैन धर्म और बौद्ध धर्म का तुलनात्मक अध्ययन

,

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

SNSRKS, कॉलेज सा।।।हरसा

जैन धर्म और बौद्ध धर्म दोनों समकालीन थे. जिस कारण इनमें काफी समानता के तत्व मिलते है लेकिन ऐसा भी नहीं है की दोनों में कोई अंतर नहीं है. जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच तुलना करने पर कई अंतर एवं समानता के तत्व प्राप्त होते है. हम इस लेख में इसकी चर्चा करेंगें|

जैन और बौद्ध धर्म क्या है?

600 BC के आस-पास धार्मिक दार्शिनिक क्रांति के कारण कई विचारकों का उदय हुआ| इन्हीं में से दो महान विचारक महात्मा बुद्ध द्वारा बौद्ध धर्म एवं महावीर द्वारा जैन धर्म की स्थापना की गयी| हालांकि जैन अनुश्रुतियों के अनुसार जैन धर्म काफी अधिक पुराना है|

इनके बारे में विस्तार से जानने के लिए नीचे के लिंकों का प्रयोग करें:

- बौद्ध धर्म का उदय, दर्शन एवं शिक्षा
- जैन धर्म का उदय एवं शिक्षा

बौद्ध धर्म और जैन के बीच समानता (Similarity between Buddhism and Jainism)

- जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच तुलना करने पर निम्नलिखित बौद्ध धर्म और जैन के बीच समानता के तत्व प्राप्त होते है.
- दोनों ईश्वर के अस्तित्व को नहीं मानते हैं.
- दोनों वेदों के प्रभुत्व का खंडन करते हैं.
- बौद्ध की भांति जैनियों ने भी जगत को ईश्वरीयकरण से नहीं जोड़ा.

- दोनों धर्मों के अनुसार विश्व प्रकृति के नियमों से चल रहा है.

- दोनों धर्मों के अनुसार अहिंसा का पालन करना चाहिए.

- दोनों के अनुसार सभी के साथ मधुर भाषा एवं सदव्यवहार का प्रयोग करना चाहिए.

- दोनों धर्म का प्रचार राजकुमारों के द्वारा किया गया

- जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच अंतर (Difference between Buddhism and Jainism in hindi)

- जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच तुलना करने पर निम्नलिखित जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच अंतर प्राप्त होता है.

- दोनों धर्म के त्रिरत्नों में अंतर है. जैसे जैन धर्म के त्रिरत्न सम्यक ज्ञान, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण है लेकिन बौद्ध धर्म के त्रिरत्न बुद्ध, धम्म एवं संघ है.

- जैन धर्म के अनुसार पंच महाव्रत अनिवार्य है लेकिन बौद्ध धर्म के अनुसार अष्टांगिक मार्ग अनिवार्य है.

- जैन धर्म वर्ण व्यवस्था की निंदा नहीं करता है लेकिन बौद्ध धर्म वर्ण व्यवस्था की निंदा करता है.

- जैन धर्म में काया क्लेश पर अधिक बल दिया गया है. इसके अनुसार आत्महत्या का विधान उपवास द्वारा है लेकिन बौद्ध धर्म में ऐसा कुछ नहीं है.

- जैन धर्म में देवताओं के अस्तित्व को स्वीकार किया है लेकिन बौद्धों में नही.

- जैन धर्म बौद्ध धर्म की अपेक्षा अहिंसा पर अधिक बल देता है.

- जैन धर्म का प्रसार केवल भारत में हुआ परन्तु बौद्ध धर्म का प्रचार भारत के बाहर विश्व के अनेक देशों में हुआ.

स्पष्ट है की जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच तुलना करने पर कई अंतर एवं समानता के तत्व प्राप्त होते है|